Pustakmahal Publishers

Sanyogon Ka Vichitra Sansar
संयोगों का वचित्रि संसार

Author: Vikas Sukharam Khatri वकिास सुखराम खत्री
Format: Paperback
ISBN: 8122308155
Code: 5207C
Pages: 107
Price: Rs. 80.00 **US$** 3.00

Publisher: Pustak Mahal
Usually ships within **15** days

वरिाट सृष्टमिें सर्वत्र नयिम और व्यवस्था का सद्धिान्त काम कर रहा है। संयोग प्रकृतकि नयिमों का अपवाद है, जो यदाकदा ही प्रस्तुत होता है। अर्थात् प्रकृतकि अनादकि ाल से चले आ रहे शाश्वत नयिमों में खलल वह अवस्था है, जसिकी परघिटना असंभव है। इसीलएि यह अलौककि भी है और चमत्कारी भी। घटना महज़ एक संयोग ही होता है।
ऐसी ही असंभव और अनहोनी घटनांए दुनयिाभर में घटी हैं और आगे भी घटती रहेंगी। संयोग ही समझएि कि चमत्कारकि ढंग से कहीं इनके दनि, वार, तथियिां अगले वर्षों में मेल खाती हैं, तो कहीं दूसरी तरह की एकरूपता और समानता पाई जाती है। इस पुस्तक में ऐसे ही अद्भुत अनोखे छोटे-छोटे 162 शीर्षक दएि गए हैं।
इस पुस्तक में दएि गए शीर्षकों में कुछ नम्नि प्रकार हैं-
•क्या हटिलर नेपोलयिन का दूसरा संस्करण था? •प्रत्येक 20 वर्ष बाद अमेरकिी राष्ट्रपतकि ी कार्यकाल में मृत्यु
•समुद्री जहाज पुनः वहीं पर डूबा •32 वर्ष बाद आपस में मलि जुड़वा भाई •फांसी का फंदा 3 बार टूटा

About Pustakmahal Publishers

Pustak Mahal publishes an extensive range of books that are both affordable and high-quality.